ED-204

M.A. 1st Semester
Examination, March-April 2021

HINDI

Paper - IV

आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी एवं चरित्रात्मक तथा आत्मकथात्मक कृति)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई-I

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ और प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

(क) चतुर सेवक के समान संसार को जगाकर अंधकार हट गया, रजनी की निस्तब्धता

काकली से चंचल हो उठी है। नीला आकाश स्वच्छ होने लगा है, या निद्राक्लांत निशा, उषा की शुभ्र चादर ओढ़कर नींद की गोद में लेटने चली है। यह जागरण का अवसर है। जागरण का अर्थ है कर्मक्षेत्र में अवतीर्ण होना और कर्मक्षेत्र क्या है? जीवन संग्राम!

(ख) महाराज का हुक्म सिर-आँखों पर। मै हाजिर हूँ .... घड़ी बन सकती है, घड़ी बनानेवाला अन्धा भी हो सकता है, मर भी सकता है, लेकिन यह बहुत बड़ी बात नहीं है। जेकब जला गया, ताकि घड़ी का भेद जिंदा रह सके, और यही सबसे बड़ी बात है।

(ग) संजय, फिर भी रहूँगा शेष
फिर भी रहूँगा शेष
सत्य कितना कटु हो
कटुत्तर से कटुत्तम हो
फिर भी कहूँगा मैं
केवल सत्य, केवल सत्य, केवल सत्य
है अन्तिम अर्थ
मेरे .... आह!

(घ) अब मुझे कह लेने दीजिए, बाबूजी! .... ये जो महाशय मेरे खरीददार बनकर आए हैं, इनसे जरा पूछिए कि क्या लड़कियों के दिल नहीं होता? क्या उनको चोट नहीं लगती? क्या वे बेबस भेड़-बकरियाँ हैं, जिन्हें कसाई अच्छी तरह देख-भालकर खरीदते हैं?

(ङ) कहीं भी रहती .... कहीं भी जाती, फिर भी मेरी आँखों में भारत नया नहीं लगता। इसकी चाल कभी रुकी नहीं, न यह कभी मरा, न मिटा, एक साँस भी इसकी कब बन्द हुई, बतायेंगे? इसने कितने देशों को जन्म लेते और मरते अपनी आँखों से देखा है। इसकी आयु की, इसकी संजीवनी की भी प्रतिष्ठा कीजिए।

(च) आदमी की बुनियादि प्रवृत्तियों पर नित्य नए दिन चढ़ते चले जाने वाले पर्दों का नाम ही तो संस्कृति है, सोसाइटी के एक वर्ग के लिए दूसरा वर्ग हमेशा असभ्य और गँवार रहेगा, फिर कहाँ तक आदमी

सभ्यता और संस्कृति के पीछे भागे, और रही सुरूचि, तो यह भी अभिजात वर्ग की 'स्नाब्री' का दूसरा नाम है।

इकाई-II

2. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में चाणक्य की भूमिका को रेखांकित करते हुए उनका सोदाहरण चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

नाट्य-तत्त्वों के आधार पर 'हानूश' नाटक की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

इकाई-III

3. "'एक दिन' एकांकी भारतीय स्त्री की गरिमा को रेखांकित करते हुए आधुनिकता से उसके संघर्ष को दर्शाता है।" इसकी सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

एकांकी-तत्त्वों के आधार पर 'ताँबे के कीड़े' एकांकी का विश्लेषण कीजिए।

इकाई-IV

4. ‘आवारा मसीहा’ में विष्णु प्रभाकर ने शरतचन्द्र के व्यक्तित्व की मुख्यतः किन विशेषताओं को उद्घाटित किया है? सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

आत्मकथागत तत्त्वों के परिप्रेक्ष्य में ‘जूठन (भाग एक)’ आत्मकथा की समीक्षा कीजिए।

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(*i*) ‘हानूश’ नाटक की कथावस्तु

(*ii*) ‘चन्द्रगुप्त’ नाटक में ‘चाणक्य’ पात्र की भूमिका

(*iii*) ‘एक दिन’ एकांकी के नाम की सार्थकता

(*iv*) ‘तौलिए’ एकांकी का भाषागत वैशिष्ट्य

(*v*) ‘पथ के साथी’ चरितात्मक कृति का परिचय

(*vi*) ‘रीढ़ की हड्डी’ एकांकी का उद्देश्य

(*vii*) धर्मवीर भारती का साहित्यिक परिचय

(*viii*) ओम प्रकाश बाल्मीकि का अवदान

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** के अतिसंक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(*i*) 'चाणक्य' किसके गुरु थे ?

(*ii*) 'चन्द्रगुप्त' नाटक में कितने अंक हैं ?

(*iii*) हानूश ने क्या बनाया था ?

(*iv*) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के रचनाकार कौन हैं ?

(*v*) 'अंधा युग' किस कोटि का नाटक है ?

(*vi*) 'आवारा मसीहा' किस उपन्यासकार पर केन्द्रित कृति है ?

(*vii*) 'ध्रुवस्वामिनी' किसकी नाट्यकृति है ?

(*viii*) शीला किस एकांकी की पात्र हैं ?

(*ix*) हिन्दी एकांकी का प्रवर्तक किसे कहा जाता हैं ?

(*x*) 'अन्धा युग' का युयुत्सु कौरव था या पाण्डव ?

(*xi*) कार्नेलिया किसकी पुत्री थी ?

(*xii*) पाठ्यक्रम का कौन-सा एकांकी अमूर्त कोटि (एब्सर्ड) का है ?